भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +1897
सोमवार, 14 मार्च, 2022/23 फाल्गुन, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

एसडीएस के अंतर्गत पश्चिम बंगाल में बौद्ध सर्किट

+1897. श्री राजू बिष्ट:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) कोविड प्रभावित पर्यटन सेवा क्षेत्र के लिए ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएटीएसएस) का ब्यौरा क्या है और इस योजना की शुरुआत से लेकर अब तक, कुल कितनी निधि संवितरित की गई है तथा पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में इसके लाभार्थियों की संख्या कितनी है;
- (ख) दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा अनुरक्षित स्थलों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में "अपनी धरोहर, अपनी पहचान" योजना के तहत अपनाए गए विरासत स्थलों का ब्यौरा क्या है;
- (घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के तहत पश्चिम बंगाल राज्य में बनाए गए नए सर्किटों और सुविधाओं का ब्यौरा क्या है; और
- (ङ.) क्या मंत्रालय ने इस तथ्य का संज्ञान लिया है कि दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और सिक्किम महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थल हैं और उसका क्या एसडीएस के तहत वहां "बौद्ध विरासत सर्किट" बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : पर्यटन क्षेत्र को राहत प्रदान करने के लिए वित्त मंत्रालय द्वारा 28.06.2021 की घोषणा के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय ने "कोविड प्रभावित पर्यटन सेवा क्षेत्र के लिए ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएटीएसएस)" लागू की है। इस ऋण गारंटी योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित/मान्यता प्राप्त प्रत्येक टूर ऑपरेटर/ट्रैवल एजेंट/पर्यटन परिवहन ऑपरेटरों को 10.00 लाख रुपए तक का ऋण प्रदान किया जाएगा। पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित/राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश प्रशासन से अनुमोदित/मान्यता प्राप्त प्रत्येक क्षेत्रीय पर्यटक गाइड/अतुल्य भारत पर्यटक गाइड और पर्यटक गाइड को 1.00 लाख रु. तक का ऋण प्रदान किया जाएगा।

पर्यटन मंत्रालय के एलजीएससीएटीएसएस का उद्देश्य अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा उपर्युक्त लाभार्थियों को प्रदान किए गए ऋणों के लिए गारंटी कवरेज प्रदान करना है, ताकि उनकी देनदारियों का निर्वहन किया जा सके और कोविड -19 महामारी के कारण प्रभावित उनके व्यवसाय को फिर से शुरू किया जा सके।

उक्त योजना की वैधता 31.03.2022 तक या योजना के तहत 250.00 करोड़ रूपए की गारंटी जारी होने तक है, जो भी पहले हो और यह 04.10.2021 को या उसके बाद [राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) द्वारा जारी एलजीएससीएटीएसएस दिशानिर्देश] 31.03.2022 तक इस योजना के तहत स्वीकृत सभी पात्र ऋणों पर लागू होगी ।

राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) से प्राप्त सूचना के अनुसार दिनांक 28.02.2022 की स्थिति के अनुसार एलजीएससीएटीएसएस के तहत 114 पर्यटक गाइडों/पर्यटन हितधारकों को 1.18 करोड़ रु. की राशि के ऋणों की स्वीकृति दी गई है (जिसमें से 0.78 करोड़ रु. के ऋण संवितरित कर दिए गए हैं) ।

दार्जिलिंग तथा कलिम्पोंग जिलों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) द्वारा अभी तक किसी लाभार्थी को सहायता नहीं दी गई है ।

(ख) : भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से प्राप्त सूचना के अनुसार दार्जिलिंग जिले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण तथा देखभाल में दो स्मारक है यथा (i) जनरल लॉयड का मकबरा और (ii) दार्जिलिंग में एलेक्जेंडर सॉमा डि - कोरोस का मकबरा ।

(ग) : पर्यटन मंत्रालय की "अपनी धरोहर, अपनी पहचान" योजना के अंतर्गत दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में किसी विरासत स्थल को गोद नहीं लिया गया है ।

(घ) और (ड.) : पर्यटन गंतव्यों की पहचान और विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों की जिम्मेदारी है । तथापि पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । इस योजना के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले से जारी निधियों की उपयोगिता आदि की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है ।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत पश्चिम बंगाल राज्य में 1 परियोजना और सिक्किम में 2 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जिसका विवरण निम्नानुसार है :

(करोड़ रु. में)

राज्य	थीम	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
पश्चिम बंगाल	तटवर्ती परिपथ	2015-16	उदयपुर- दीघा- शंकरपुर- ताजपुर- मंदारमणि- फ्रेजरगंज-बख्खलई- हेनरी द्वीप में बीच परिपथ का विकास	67.99
सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	रंगपो (प्रवेश) - रोराथांग- अरितर- फादमचेन- नाथंग-शेराथांग- सोंगमो- गंगटोक- फोडोंग- मंगन- लाचुंग-युमथांग- लाचेन- थंगू- गुरुडोंगमेर- मंगन- गंगटोक- तुमिनलिंगी- सिंगतम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक	98.05

			परिपथ का विकास	
सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	2016-17	सिंगतम-माका-टेमी-बर्मोइकटोकेल-फोंगिया- नामची-जोरथांग-ओखरे-सोम्बारिया-दारमदीन- जोरेथांग-मेली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के हिस्से के रूप में बौद्ध थीम के तहत निम्नलिखित 5 परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है :

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	परिपथ तथा वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	मध्य प्रदेश	बौद्ध परिपथ (2016-17)	साँची-सतना-रेवा-मंदसौर-धार का विकास ।	74.02
2.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ (2016-17)	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास।	99.97
3.	बिहार	बौद्ध परिपथ (2016-17)	बोधगया में सम्मेलन केंद्र का निर्माण	98.73
4.	गुजरात	बौद्ध परिपथ (2017-18)	जूनागढ़ - गिर सोमनाथ - भरूच - कच्छ - भावनगर - राजकोट - मेहसाणा का विकास	26.68
5.	आंध्र प्रदेश	बौद्ध परिपथ (2017-18)	आंध्र प्रदेश में शालिहंडम- थोतलाकोंडा- बाविकोंडा- बोज्जनकोंडा- अमरावती- अनुपु में बौद्ध परिपथ का विकास	24.14
कुल				323.54